रीपागो

इस प्रश्न पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।/Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 28
No. of Pages in Booklet : 28
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150
Paper Code : 26

ALP-23

PAPER-II

प्रश्न पुस्तिका संख्या व बारकोड / Question Booklet No. & Barcode

1400033

SUBJECT : JAINOLOGY-II

समय : 03 घण्टे+10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours+10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks: 75

प्रश्न पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथिन बैग को खोलने पर प्रश्न पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :-

- प्रश्न पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है।
- प्रश्न पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/मुद्रण त्रुटि नहीं है।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के **5** मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper the candidate should ensure that:-

- Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.
- All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above, are available and no page is missing/misprinted.

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after **five** minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है।**
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक ही उत्तर दीजिये। एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको प्रश्न पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल प्वॉइंट पेन** से विवरण भरें।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
6. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
7. **प्रत्येक प्रश्न के पांच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल प्वॉइंट पेन से गहरा करना है।**
8. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो उत्तर-पत्रक में पांचवे (5) विकल्प को गहरा करें। यदि पांच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।**

9.* **प्रश्न पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. आंसर शीट जांच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है। इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।**

10. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पांच विकल्प में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा।**
11. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेज़ी रूपान्तरों में से अंग्रेज़ी रूपान्तर मान्य होगा।
12. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है, तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए और **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **BLUE BALL POINT PEN** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in OMR Answer Sheet. Candidate will themselves be responsible for filling wrong Roll Number.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question, then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**

9.* **After solving the question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time is provided for this.**

10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions shall be disqualified.**
11. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature, then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.
12. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair means in Recruitment) Act, 2022, other law applicable and Commission's Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियां हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियां वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाईन से मोड़कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे। **परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा मांगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।**

1. mūrtika dravya is -
(1) kāla (2) Jīva
(3) ākāśa (4) pudgala
(5) Question not attempted

2. In the following Avirati is instrumental cause of –
(1) bandha (2) saṃvara
(3) nirjarā (4) āśrava
(5) Question not attempted

3. Aarta Dhyana occurs -
(1) being loss of undesirable
(2) being completion of desire of enjoyment
(3) being undesirable painful feeling
(4) being receipt of desirable
(5) Question not attempted

4. What kind of quality is knowledge of the soul?
(1) natural quality (2) bright quality
(3) lack quality (4) unnatural quality
(5) Question not attempted

5. Match List-I with List-II and select the correct answer by using the code given below in the lists –

List-I	List-II
(A) gotra	(I) kaṣāya
(B) krodha	(II) nārāca
(C) sparśa nāmakarma	(III) ucca
(D) saṃhanana	(IV) garama

Code -
(1) (A)-I, (B)-IV, (C)-III, (D)-II
(2) (A)-IV, (B)-II, (C)-III, (D)-I
(3) (A)-II, (B)-III, (C)-I, (D)-IV
(4) (A)-III, (B)-I, (C)-IV, (D)-II
(5) Question not attempted

6. This substance is capable of giving place to all conscious and unconscious substances -
(1) jīva (2) dharma
(3) kāla (4) ākāśa
(5) Question not attempted

7. Which of the following is seventh guṇasthāna?
(1) deśavirata (2) apramattavirata
(3) pramattavirata (4) aviratasamyaktva
(5) Question not attempted

1. मूर्तिक द्रव्य है –
(1) काल (2) जीव
(3) आकाश (4) पुद्‌गल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

2. निम्नांकित में अविरति इसका निमित्तकारण है –
(1) बन्ध (2) संवर
(3) निर्जरा (4) आस्रव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

3. आर्त ध्यान होता है –
(1) अनिष्ट का वियोग होने पर
(2) भोगेच्छा की पूर्ति होने पर
(3) प्रतिकूल वेदना होने पर
(4) इष्ट का संयोग होने पर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

4. ज्ञान आत्मा का किस प्रकार का गुण है?
(1) स्वभाव गुण (2) तेज गुण
(3) अभाव गुण (4) विभाव गुण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

5. सूची–I को सूची–II से सुमेलित करें और विकल्पों में नीचे दिये गये कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें –

सूची–I	सूची–II
(A) गोत्र	(I) कषाय
(B) क्रोध	(II) नाराच
(C) स्पर्श नामकर्म	(III) उच्च
(D) संहनन	(IV) गरम

कोड –
(1) (A)-I, (B)-IV, (C)-III, (D)-II
(2) (A)-IV, (B)-II, (C)-III, (D)-I
(3) (A)-II, (B)-III, (C)-I, (D)-IV
(4) (A)-III, (B)-I, (C)-IV, (D)-II
(5) अनुत्तरित प्रश्न

6. यह द्रव्य समस्त चेतन–अचेतन द्रव्यों को स्थान देने में समर्थ होता है –
(1) जीव (2) धर्म
(3) काल (4) आकाश
(5) अनुत्तरित प्रश्न

7. निम्नलिखित में से कौनसा सप्तम गुणस्थान है?
(1) देशविरत (2) अप्रमत्तविरत
(3) प्रमत्तविरत (4) अविरत सम्यक्त्व
(5) अनुत्तरित प्रश्न

8. This fraction states the only negative property of a substance (vastu) -

(1) from syādavaktavya bhanga
(2) from syād nāsti bhanga
(3) from syād nāsti avaktavya bhanga
(4) from syādasti-nāsti avaktavya bhanga
(5) Question not attempted

9. 'Jena Viṇā Logassa Vavaharo Vi Savvahā Na Nivvadai' – without Anekantavada behaviour of universe is not fully possible, this statement belongs to Acharya -

(1) Samantabhadra (2) Vidyananda
(3) Siddhasen (4) Haribhadra
(5) Question not attempted

10. Match list-I with list-II and select the correct answer using the code given below in the lists –

List-I	List-II
A. piṇḍastha	(I) sarvajnadeva
B. rūpastha	(II) siddhātmā
C. padastha	(III) śarīra
D. rūpātīta	(IV) akṣara

Code -

(1) A-II, B-I, C-IV, D-III
(2) A-I, B-III, C-II, D-IV
(3) A-III, B-I, C-IV, D-II
(4) A-IV, B-II, C-III, D-I
(5) Question not attempted

11. Arrange the following emotions (bhāvanās) of dharmadhyāna in correct order and choose the correct code from the options –

A. kāruṇya
B. maitrī
C. mādhyastha
D. pramoda

Code -

(1) D, C, B, A (2) C, A, B, D
(3) A, B, D, C (4) B, D, A, C
(5) Question not attempted

12. Minimum period of 'Naam karma' is -

(1) One (1) Antarmuhūrta
(2) One (1) Muhūrta
(3) Eight (8) Muhūrta
(4) Twelve (12) Antarmuhūrta
(5) Question not attempted

8. वस्तु के निषेधात्मक स्वरूप का कथन प्रमुखता से करता है –

(1) स्यादवक्तव्य भंग
(2) स्याद् नास्ति भंग
(3) स्याद् नास्ति अवक्तव्य भंग
(4) स्यादस्ति–नास्ति अवक्तव्य भंग
(5) अनुत्तरित प्रश्न

9. 'जेण विणा लोगस्स ववहारो वि सव्वहा न निव्वदइ' – अनेकान्तवाद के बिना लोक का व्यवहार भी पूर्णतया नहीं चलता है, यह कथन किस आचार्य का है?

(1) समन्तभद्र (2) विद्यानन्द
(3) सिद्धसेन (4) हरिभद्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

10. सूची–I को सूची–II से सुमेलित करें और सूचियों में नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें –

सूची–I	सूची–II
A. पिण्डस्थ	(I) सर्वज्ञदेव
B. रूपस्थ	(II) सिद्धात्मा
C. पदस्थ	(III) शरीर
D. रूपातीत	(IV) अक्षर

कोड –

(1) A-II, B-I, C-IV, D-III
(2) A-I, B-III, C-II, D-IV
(3) A-III, B-I, C-IV, D-II
(4) A-IV, B-II, C-III, D-I
(5) अनुत्तरित प्रश्न

11. धर्मध्यान की निम्नलिखित भावनाओं को सही क्रम में व्यवस्थित करें और विकल्पों में से सही कोड चुनें –

A. कारुण्य
B. मैत्री
C. माध्यस्थ
D. प्रमोद

कोड –

(1) D, C, B, A (2) C, A, B, D
(3) A, B, D, C (4) B, D, A, C
(5) अनुत्तरित प्रश्न

12. 'नामकर्म' की जघन्य स्थिति है –

(1) एक (1) अन्तर्मुहूर्त्त
(2) एक (1) मुहूर्त्त
(3) आठ (8) मुहूर्त्त
(4) बारह (12) अन्तर्मुहूर्त्त
(5) अनुत्तरित प्रश्न

13. How many types of cāritramohanīya karma are there?

(1) Twenty eight (2) Nine
(3) Sixteen (4) Twenty five
(5) Question not attempted

14. The order of three karanas in manifestation of Samyag-darshan is –

(1) Anivritti karaṇa, Adhaḥ pravritta karaṇa (yatha pravritta karaṇa), Apurva karaṇa
(2) Adhaḥ pravritta karaṇa (yatha pravritti karaṇa), Anivritti karaṇa, Apurva karaṇa
(3) Apurva karaṇa, Anivritti karaṇa, Adhaḥ pravritta-karaṇa (yatha pravritti karana)
(4) Adhaḥ pravritta karaṇa (yatha pravritta karaṇa), Apurva karaṇa, Anivritti karaṇa
(5) Question not attempted

15. What is called the emergence of rāga and dveṣa?

(1) apramāda (2) dravyahiṅsā
(3) pramāda (4) bhāvahiṅsā
(5) Question not attempted

16. Match List-I with List-II and select the correct answer by using the code given below in the lists -

List-I	List-II
(A) saṁvara	(I) mukta
(B) jīva	(II) śruta
(C) samyagdarśana	(III) tattva
(D) Jñānā	(IV) nisargaja

Code –

(1) A-IV, B-II, C-I, D-III
(2) A-I, B-II, C-III, D-IV
(3) A-III, B-I, C-IV, D-II
(4) A-III, B-IV, C-II, D-I
(5) Question not attempted

17. In this Guṇasthāna, Kshayika Samyaktva is not found -

(1) Fourth Guṇasthāna (2) Seventh Guṇasthāna
(3) Second Guṇasthāna (4) Fifth Guṇasthāna
(5) Question not attempted

18. What does occur in Sankramaṇa proses?

(1) Intensity of effect of karmas.
(2) Stability period and intensity both karmas.
(3) Period of age reduces.
(4) Changing of Asātā vedanīya karma in to sātā vedanīya.
(5) Question not attempted

13. चारित्रमोहनीय कर्म के कितने प्रकार हैं?

(1) अट्ठाईस (2) नौ
(3) सोलह (4) पच्चीस
(5) अनुत्तरित प्रश्न

14. सम्यग्दर्शन के प्रकटीकरण में तीन करणों का क्रम है –

(1) अनिवृत्तिकरण, अधः प्रवृत्तकरण (यथा प्रवृत्तिकरण), अपूर्वकरण
(2) अधः प्रवृत्तकरण (यथा प्रवृत्तिकरण), अनिवृत्तिकरण, अपूर्वकरण
(3) अपूर्वकरण, अनिवृत्तिकरण, अधः प्रवृत्तकरण (यथा प्रवृत्तिकरण)
(4) अधः प्रवृत्तकरण (यथा प्रवृत्तिकरण), अपूर्वकरण, अनिवृत्तिकरण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

15. राग और द्वेष की उत्पत्ति क्या कहलाती है?

(1) अप्रमाद (2) द्रव्यहिंसा
(3) प्रमाद (4) भावहिंसा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

16. सूची–**I** को सूची–**II** से सुमेलित करें और विकल्पों में नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें –

सूची–I	सूची–II
(A) संवर	(I) मुक्त
(B) जीव	(II) श्रुत
(C) सम्यग्दर्शन	(III) तत्त्व
(D) ज्ञान	(IV) निसर्गज

कोड –

(1) A-IV, B-II, C-I, D-III
(2) A-I, B-II, C-III, D-IV
(3) A-III, B-I, C-IV, D-II
(4) A-III, B-IV, C-II, D-I
(5) अनुत्तरित प्रश्न

17. क्षायिक सम्यक्त्व इस गुणस्थान में नहीं होता है –

(1) चतुर्थ गुणस्थान (2) सप्तम गुणस्थान
(3) द्वितीय गुणस्थान (4) पंचम गुणस्थान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

18. संक्रमण प्रक्रिया में क्या होता है?

(1) कर्म का अनुभाव घट जाता है।
(2) कर्म की स्थिति एवं अनुभव का स्थायी रहना।
(3) कर्म की स्थिति घट जाती है।
(4) असाता वेदनीय कर्म का साता वेदनीय कर्म में बदलना।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

19. According to Jainism, the essence of being knowledgeable is -
(1) to be wealthy (2) to be possessive
(3) to be strong (4) to be non-violent
(5) Question not attempted

20. Arrange the names of the following samudghātas in correct order and choose the correct option -
A. Kaṣāya B. Taijasa
C. Aāhāraka D. Vedanā
Code -
(1) A, C, B, D (2) B, A, D, C
(3) C, D, B, A (4) D, A, B, C
(5) Question not attempted

21. Arrange the following upakāras of kāladravya and choose the correct answer by using the code given below -
A. vartanā
B. aparatva
C. kriyā
D. paratva
E. pariṇāma
Code -
(1) C, D, A, B, E (2) B, C, A, E, D
(3) A, E, C, D, B (4) E, C, A, B, D
(5) Question not attempted

22. Match List-I with List-II and select the correct answer by using the code given below in the lists -

List-I	List-II
A. Loka	(I) dravya
B. Jñānā	(II) ākaśa
C. paramāṇu	(III) upayoga
D. guṇa	(IV) ekapradeśī

Code -
(1) A-IV, B-II, C-I, D-III
(2) A-III, B-I, C-II, D-IV
(3) A-I, B-II, C-IV, D-III
(4) A-II, B-III, C-IV, D-I
(5) Question not attempted

23. Read the following statements and choose the correct option-
A. sthāvara jīva have only one sense.
B. kāladravya has consciousness.
C. adharmadravya supports in walking.
D. Stone is a pudgala dravya.
E. There are two types of kāla.
(1) C, D and E (2) A, B and C
(3) A, D and E (4) B, C and D
(5) Question not attempted

19. जैन दर्शन के अनुसार, ज्ञानी होने का सार यह है –
(1) धनी होना (2) परिग्रही होना
(3) बलशाली होना (4) अहिंसक होना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

20. निम्नलिखित समुद्घातों के नामों को सही क्रम में व्यवस्थित करें और सही विकल्प चुनें –
A. कषाय B. तैजस
C. आहारक D. वेदना
कोड –
(1) A, C, B, D (2) B, A, D, C
(3) C, D, B, A (4) D, A, B, C
(5) अनुत्तरित प्रश्न

21. कालद्रव्य के निम्नलिखित उपकारों को व्यवस्थित करें और दिये गये कोड में से सही उत्तर का चयन करें –
A. वर्तना
B. अपरत्व
C. क्रिया
D. परत्व
E. परिणाम
कोड –
(1) C, D, A, B, E (2) B, C, A, E, D
(3) A, E, C, D, B (4) E, C, A, B, D
(5) अनुत्तरित प्रश्न

22. सूची–I को सूची– II से सुमेलित करें और विकल्पों में नीचे दिये गये कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें–

सूची–I	सूची–II
A. लोक	(I) द्रव्य
B. ज्ञान	(II) आकाश
C. परमाणु	(III) उपयोग
D. गुण	(IV) एकप्रदेशी

कोड –
(1) A-IV, B-II, C-I, D-III
(2) A-III, B-I, C-II, D-IV
(3) A-I, B-II, C-IV, D-III
(4) A-II, B-III, C-IV, D-I
(5) अनुत्तरित प्रश्न

23. निम्नलिखित कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें –
A. स्थावर जीव एकेन्द्रिय होते हैं।
B. कालद्रव्य में चेतना पायी जाती है।
C. अधर्मद्रव्य चलने में सहायक होता है।
D. पत्थर पुद्गल द्रव्य है।
E. काल दो प्रकार के होते हैं।
(1) C, D और E (2) A, B और C
(3) A, D और E (4) B, C और D
(5) अनुत्तरित प्रश्न

24. What named the knowledge of sādhya obtained through sādhana?

(1) Anumāna (2) Kāraṇa
(3) avayava (4) Pramaṇa
(5) Question not attempted

25. The activity of yoga coloured with stain of kaṣāya is called -

(1) nidrā (2) leśyā
(3) darśana (4) kshmā
(5) Question not attempted

26. How many samudghātas do spread in all the directions?

(1) Six (2) Ten
(3) Five (4) Seven
(5) Question not attempted

27. Which nikṣepa is imagining the God in God's idol?

(1) bhāva nikṣepa (2) dravya nikṣepa
(3) sthāpanā nikṣepa (4) nāma nikṣepa
(5) Question not attempted

28. This is not included in the conduct of a shramana (monk) according to Agamas –

(1) Construction of temples
(2) Observance of six Avashyakas
(3) Observance of five samitis and three guptis
(4) Observance of five great vows
(5) Question not attempted

29. Which cāritra is not gained by giving up all the sins worshipping the soul?

(1) sūkṣma-sāmparāya (2) sāmāyika
(3) yathākhyāta (4) deshcāritra
(5) Question not attempted

30. This pair is correct regarding Books on Dhyana and their Writers -

(1) Dhyana Shataka – Jinbhadragani kshama shramaṇa
(2) Yogashastra – Acharya Akalanka
(3) Jñānarnava – Pujyapad
(4) Tattvanushaasan – Jinsen
(5) Question not attempted

31. Which option is not included in yoga-drishtis of Acharya Haribhadrasuri?

(1) Sthira, Prabha (2) Bala, Dipra
(3) Kanta, Shanta (4) Mitra, Tara
(5) Question not attempted

24. साधन के द्वारा साध्य का ज्ञान क्या कहलाता है?

(1) अनुमान (2) कारण
(3) अवयव (4) प्रमाण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

25. कषाय से अनुरक्त योग की प्रवृत्ति कहलाती है –

(1) निद्रा (2) लेश्या
(3) दर्शन (4) क्षमा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

26. सभी दिशाओं में जाने वाले समुद्घात कितने हैं?

(1) छह (2) दस
(3) पांच (4) सात
(5) अनुत्तरित प्रश्न

27. किसी मूर्ति में भगवान् कल्पना करना कौनसा निक्षेप है?

(1) भाव निक्षेप (2) द्रव्य निक्षेप
(3) स्थापना निक्षेप (4) नाम निक्षेप
(5) अनुत्तरित प्रश्न

28. आगमानुसार श्रमण की चर्या में यह सम्मिलित नहीं है –

(1) मन्दिर निर्माण
(2) षडावश्यकों का पालन
(3) पाँच समिति–तीन गुप्ति का पालन
(4) पाँच महाव्रतों का पालन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

29. समस्त पापों का त्याग करके आत्मा की आराधना करने से कौनसा चारित्र नहीं होता है?

(1) सूक्ष्म–साम्पराय (2) सामायिक
(3) यथाख्यात (4) देशचारित्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

30. ध्यान से सम्बद्ध ग्रंथ एवं ग्रंथकारों के युगलों में से यह सही है –

(1) ध्यानशतक – जिनभद्रगणि क्षमा श्रमण
(2) योगशास्त्र – आचार्य अकलङ्क
(3) ज्ञानार्णव – पूज्यपाद
(4) तत्त्वानुशासन – जिनसेन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

31. आचार्य हरिभद्रसूरि की योगदृष्टियों में किस विकल्प का समावेश नहीं है?

(1) स्थिरा, प्रभा (2) बला, दिप्रा
(3) कान्ता, शान्ता (4) मित्रा, तारा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

32. How far does the ākāśadravya extend?
(1) samudra (2) prithivī
(3) pātāla (4) lokāloka
(5) Question not attempted

33. When the Asamkhyat (innumberable) pradeshas of a living being spread in the whole Loka?
(1) on the time of Vedana samudghāt
(2) on the time of Maranāntika samudghāt
(3) pradeshas of a Jiva never spread in the whole Loka
(4) on the time of Kevali- samudghāt
(5) Question not attempted

34. Which of the following are the characteristics of pudgala paramāṇu according to Jain Philosophy?
A. gati
B. avibhāgī
C. agrāhya
D. avagāhadan
E. abhedya
(1) B, C and E only (2) A, D and E only
(3) B, C and D only (4) D, B and C only
(5) Question not attempted

35. How many types of Sthāvarajīvas are there?
(1) Five (2) Two
(3) Four (4) Three
(5) Question not attempted

36. Which dhyāna is caused by the destruction of dear objects?
(1) raudra dhyāna (2) iṣṭaviyogaja dhyāna
(3) aniṣta-saṅyogaja dhyāna (4) dharma dhyāna
(5) Question not attempted

37. Which of the following is not considered as the cause of Samvar?
(1) Five Samitis (2) Ten types of Dharma
(3) Six Leśyās (4) Three Guptis
(5) Question not attempted

38. This one is used to understand the nature of the substance (vastu) -
(1) saṁbhāvanāvāda (2) syādvāda
(3) anekānta (4) ekāntavāda
(5) Question not attempted

32. आकाशद्रव्य कहाँ तक फैला हुआ है?
(1) समुद्र (2) पृथ्वी
(3) पाताल (4) लोकालोक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

33. जीव के असंख्यात प्रदेश सम्पूर्ण लोक में कब व्याप्त होते हैं?
(1) वेदना समुद्घात होने पर
(2) मारणान्तिक समुद्घात होने पर
(3) एक जीव के प्रदेश कभी भी सम्पूर्ण लोक में व्याप्त नहीं होते
(4) केवली समुद्घात होने पर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

34. जैन दर्शन के अनुसार निम्नलिखित में से पुद्गल परमाणु की कौनसी विशेषताएँ हैं?
A. गति
B. अविभागी
C. अग्राह्य
D. अवगाहदान
E. अभेद्य
(1) केवल B, C और E (2) केवल A, D और E
(3) केवल B, C और D (4) केवल D, B और C
(5) अनुत्तरित प्रश्न

35. स्थावरजीव के कितने प्रकार हैं?
(1) पाँच (2) दो
(3) चार (4) तीन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

36. प्रिय वस्तुओं के नाश से कौनसा ध्यान होता है?
(1) रौद्र ध्यान (2) इष्टवियोगज ध्यान
(3) अनिष्ट–संयोगज ध्यान (4) धर्म ध्यान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

37. निम्नलिखित में से किसे संवर का हेतु नहीं माना गया है?
(1) पाँच समिति (2) दशविध धर्म
(3) षड्लेश्या (4) तीन गुप्ति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

38. वस्तु को समझाने के लिए किसका उपयोग होता है?
(1) संभावनावाद (2) स्याद्वाद
(3) अनेकान्त (4) एकान्तवाद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

39. This sentence may be an example of evambhutanaya -

(1) He teaches students, hence he is a teacher.

(2) A Teacher goes to school.

(3) All teachers are not equal, they teach different subjects.

(4) Teacher is teaching the students.

(5) Question not attempted

40. Choose the correct option-

(1) Infinite living beings dependent on a body are called trasa jivas.

(2) There are innumberable pradeshas in every living being.

(3) Infinite living beings can live on one point of Lokakash.

(4) There are infinite pradeshas in the total of all living beings.

(5) Question not attempted

41. This is not considered in four types of Dharma Dhyana -

(1) Aỵaya Vichaya (2) Samsthan Vichaya

(3) Ajñā Vichaya (4) Vipaka Vichaya

(5) Question not attempted

42. What does not occur by right penance?

(1) Saṃvara (Stoppage of influx of karma)

(2) Nirjara (Shedding off of karmas)

(3) Saṃvara and Nirjara both

(4) Moha

(5) Question not attempted

43. What is another name for matijñānā?

(1) śrutajñānā (2) ābhinibodhikajñānā

(3) atīndriyajñānā (4) manaḥparyavajñānā

(5) Question not attempted

44. How many nayas are accepted in Jain philosophy?

(1) Seven (2) Nine

(3) Eight (4) Six

(5) Question not attempted

45. Manifestation of which karma ascertains acquisition of Audarika body?

(1) Gati nama karma (2) Śarīr nām karma

(3) Gotra karma (4) Antaraya karma

(5) Question not attempted

39. निम्नांकित में से यह वाक्य एवम्भूतनय का उदाहरण हो सकता है –

(1) वह छात्रों को अध्ययन कराता है, इसलिए अध्यापक है।

(2) अध्यापक विद्यालय जाता है।

(3) सभी अध्यापक समान नहीं होते, वे अलग–अलग विषयों को पढ़ाते हैं।

(4) अध्यापक छात्रों को अध्यापन करा रहा है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

40. सही विकल्प का चयन कीजिए–

(1) एक शरीर के आश्रित अनन्त जीवों को त्रस जीव कहा गया है।

(2) प्रत्येक जीव में असंख्यात प्रदेश होते हैं।

(3) लोकाकाश के एक प्रदेश पर अनंत संसारी जीव रह सकते हैं।

(4) सब जीवों के मिलाकर अनंत प्रदेश होते हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

41. यह धर्मध्यान के चार प्रकारों में सम्मिलित नहीं है –

(1) अवाय विचय (2) संस्थान विचय

(3) आज्ञा विचय (4) विपाक विचय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

42. सम्यक् तप से क्या घटित नहीं होता है?

(1) संवर

(2) निर्जरा

(3) संवर एवं निर्जरा दोनों

(4) मोह

(5) अनुत्तरित प्रश्न

43. मतिज्ञान का दूसरा नाम क्या है?

(1) श्रुतज्ञान (2) आभिनिबोधिकज्ञान

(3) अतीन्द्रियज्ञान (4) मन:पर्यवज्ञान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

44. जैन दर्शन में कितने नय माने गये हैं?

(1) सात (2) नौ

(3) आठ (4) छह

(5) अनुत्तरित प्रश्न

45. औदारिक शरीर की प्राप्ति किस कर्म के उदय से होती है?

(1) गति नाम कर्म (2) शरीरनाम कर्म

(3) गोत्रकर्म (4) अन्तराय कर्म

(5) अनुत्तरित प्रश्न

46. Smṛti, cintā and sañjnā are exponents of -
(1) kevalajñānā's (2) matijñānā's
(3) avadhijñānā's (4) śrutajñānā's
(5) Question not attempted

47. Main cause of Sthiti bondage and Anubhag bondage is -
(1) Avirati (2) Yoga
(3) Mithyatva (4) Kashaya
(5) Question not attempted

48. These are the types of auspicious leśyās -
(1) Krishna, Tejo and Padma Leśyā
(2) Kapota Leśyā, Padma Leśyā and Śukla Leśyā
(3) Tejo Leśyā, Padma Leśyā and Śukla Leśyā
(4) Neel Leśyā, Kapota Leśyā and Śukla Leśyā
(5) Question not attempted

49. Among these, aghātiyā karma is -
(1) darśanāvaraṇa (2) antarāya
(3) Jñānāvaraṇa (4) vedanīya
(5) Question not attempted

50. The absence of one state into other state is called -
(1) pradhvansābhāva
(2) itaretarābhāva (Anyonyābhāva)
(3) prāgabhāva
(4) atyantābhāva
(5) Question not attempted

51. Leśyā belongs to this Atma-bhava -
(1) Parinamika Bhava (2) Kshayopashamika Bhava
(3) Aupashamika Bhava (4) Audayika Bhava
(5) Question not attempted

52. Who is the founder of 'Preksha-Dhyāna'?
(1) Acharya Shivmuni (2) Acharya Vidyasāgar
(3) Acharya Vidyānanda (4) Acharya Mahaprgya
(5) Question not attempted

53. Which one is the sixth fraction of seven fraction theory?
(1) syādavaktavya (2) syādasti avaktavya
(3) syādubhaya (4) syānnāsti avaktavya
(5) Question not attempted

46. स्मृति, चिंता और संज्ञा किसके प्रतिपादक हैं?
(1) केवलज्ञान के (2) मतिज्ञान के
(3) अवधिज्ञान के (4) श्रुतज्ञान के
(5) अनुत्तरित प्रश्न

47. स्थितिबन्ध एवं अनुभागबन्ध का प्रमुख कारण है –
(1) अविरति (2) योग
(3) मिथ्यात्व (4) कषाय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

48. शुभ लेश्या के प्रकार ये हैं –
(1) कृष्ण, तेजो एवं पद्म लेश्या
(2) कापोत लेश्या, पद्म लेश्या एवं शुक्ल लेश्या
(3) तेजो लेश्या, पद्म लेश्या एवं शुक्ल लेश्या
(4) नील लेश्या, कापोत लेश्या एवं शुक्ल लेश्या
(5) अनुत्तरित प्रश्न

49. इनमें से यह अघातिया कर्म है –
(1) दर्शनावरण (2) अंतराय
(3) ज्ञानावरण (4) वेदनीय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

50. एक पर्याय का दूसरी पर्याय में अभाव यह कहलाता है –
(1) प्रध्वंसाभाव
(2) इतरेतराभाव (अन्योन्या भाव)
(3) प्रागभाव
(4) अत्यंता भाव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

51. लेश्या को इस आत्मभाव में स्थान दिया गया है –
(1) पारिणामिक भाव (2) क्षायोपशमिक भाव
(3) औपशमिक भाव (4) औदयिक भाव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

52. 'प्रेक्षाध्यान' के प्रणेता कौन हैं?
(1) आचार्य शिवमुनि (2) आचार्य विद्यासागर
(3) आचार्य विद्यानन्द (4) आचार्य महाप्रज्ञ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

53. सप्तभंगी का छठवाँ भंग कौन है?
(1) स्यादवक्तव्य (2) स्यादस्ति अवक्तव्य
(3) स्यादुभय (4) स्यान्नास्ति अवक्तव्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

54. What is avagraha related to?

(1) śrutajñānā (2) manaḥparyayajñānā

(3) pratyakṣa pramaṇa (4) matijñānā

(5) Question not attempted

55. This is not included in the causes of bondage of Tirthankar nāam karma -

(1) pure devotion to learned monks

(2) self-restraint with attachment

(3) purity in darshan

(4) purity in sheela and vows

(5) Question not attempted

56. This statement is correct about Nikachana Karma -

(1) This is the state of karma in which Utkarshana, Apakarshana, udīrnā and Sankramaṇa do not occur.

(2) Udīrnā can take place of this karma, but no Sankramaṇa occurs.

(3) There is no Upasham of this karma, but Udīrnā takes place.

(4) In this state Utkarshana, Apakarshana and Udīrnā can occur, but no Sankramaṇa takes place.

(5) Question not attempted

57. Which statement about the kinds of Jiva is true?

(1) The five sensed living beings with mind are called samjñī.

(2) Only five sensed living beings are considered in the Trasa jivas.

(3) There is only one sense organ 'taste' is found in the one sensed living beings.

(4) Two sensed living beings are śthavars.

(5) Question not attempted

58. Which pair is not proper about tenfold Dharma?

(1) Mardava – Simplicity

(2) Shauch Dharma – Absence of greed

(3) Tyag – Giving knowledge etc. to a restraint

(4) Aakinchanya – Reliquishing Possessiveness

(5) Question not attempted

54. अवग्रह का सम्बन्ध किससे है?

(1) श्रुतज्ञान (2) मनःपर्ययज्ञान

(3) प्रत्यक्ष प्रमाण (4) मतिज्ञान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

55. तीर्थङ्कर नामकर्म के बन्ध हेतुओं में यह नहीं है –

(1) बहुश्रुत श्रमणों की भक्ति

(2) सराग संयम

(3) दर्शन विशुद्धि

(4) शील एवं व्रतों में अनतिचार

(5) अनुत्तरित प्रश्न

56. निकाचना कर्म के सम्बन्ध में यह कथन सही है –

(1) कर्म की यह वह अवस्था है, जिसमें उत्कर्षण, अपकर्षण, उदीरणा एवं संक्रमण नहीं होते।

(2) इस कर्म की उदीरणा होती है, किन्तु संक्रमण नहीं होता।

(3) इस कर्म का उपशम नहीं होता, किन्तु उदीरणा होती है।

(4) इस अवस्था में कर्मों का उत्कर्षण, अपकर्षण एवं उदीरणा होते है, संक्रमण नहीं होता।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

57. जीव के प्रकारों के संबंध में कौनसा कथन सही है?

(1) मन वाले पंचेन्द्रिय जीव संज्ञी कहलाते हैं।

(2) त्रस जीवों में मात्र पंचेन्द्रिय जीवों की गणना होती है।

(3) एकेन्द्रिय जीव में एकमात्र रसनेन्द्रिय होती है।

(4) द्वीन्द्रिय जीव स्थावर होते हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

58. दशविध धर्मों से सम्बद्ध कौनसा युगल सही नहीं है?

(1) मार्दव – ऋजुता

(2) शौच धर्म – निर्लोभता

(3) त्याग – संयत को ज्ञानादि का दान

(4) आकिञ्चन्य – ममत्व का त्याग

(5) अनुत्तरित प्रश्न

59. By which verbal style the predication of Anekānta is possible?
(1) syādavāda (2) vidhi
(3) niśedha (4) sarvathā vidhi
(5) Question not attempted

60. How many kinds of Jñānāvaraṇa karma are there according to Jainism?
(1) Eight (2) Three
(3) Four (4) Five
(5) Question not attempted

61. This is object of sense organs -
(1) jīva (2) Dharmastikaya
(3) ākāśa (Space) (4) Pudgala
(5) Question not attempted

62. Who is nissaṅka jīva?
(1) Āśakta Jiva (2) mithyādṛṣṭi
(3) āhāradṛṣṭi (4) samyagdṛṣṭi
(5) Question not attempted

63. The jñānā emanating from indriyas is called -
(1) pratyakṣajñānā (2) parokṣajñānā
(3) kevalajñānā (4) kṣāyikajñānā
(5) Question not attempted

64. Umāswāmī has given the number of reasons for bandha as –
(1) Seven (2) Six
(3) Five (4) Four
(5) Question not attempted

65. How many types of 'Parokshapramaṇa are there?
(1) Three (2) Five
(3) Two (4) Four
(5) Question not attempted

66. Writer of work 'Saptabhaṅgitarangini' is -
(1) Vimal Das (2) Vadi Devasuri
(3) Yashovijay (4) Jina Chandra
(5) Question not attempted

67. Which one of the following is classified under antaraṅga parigraha?
(1) mithyātva (2) vastra
(3) dāsa (4) vāstu
(5) Question not attempted

59. अनेकान्त का प्रतिपादन किस वचन पद्धति से संभव है?
(1) स्याद्वाद (2) विधि
(3) निषेध (4) सर्वथा विधि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

60. जैनदर्शन के अनुसार ज्ञानावरण कर्म के कितने प्रकार हैं?
(1) आठ (2) तीन
(3) चार (4) पाँच
(5) अनुत्तरित प्रश्न

61. इन्द्रियों का विषय यह है–
(1) जीव (2) धर्मास्तिकाय
(3) आकाश (4) पुद्गल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

62. निःशंक जीव कौन होता है?
(1) आसक्त जीव (2) मिथ्यादृष्टि
(3) आहारदृष्टि (4) सम्यग्दृष्टि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

63. इन्द्रियों के माध्यम से होने वाला ज्ञान कहलाता है –
(1) प्रत्यक्ष ज्ञान (2) परोक्ष ज्ञान
(3) केवल ज्ञान (4) क्षायिक ज्ञान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

64. उमास्वामी ने बन्ध के कारणों की संख्या बतलायी है –
(1) सात (2) छह
(3) पाँच (4) चार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

65. परोक्षप्रमाण के कितने भेद हैं?
(1) तीन (2) पांच
(3) दो (4) चार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

66. 'सप्तभंगीतरंगिणी' ग्रन्थ के रचनाकार हैं –
(1) विमलदास (2) वादी देवसूरी
(3) यशोविजय (4) जिनचन्द्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

67. निम्नलिखित में से कौनसा अंतरंग परिग्रह में वर्गीकृत किया गया है?
(1) मिथ्यात्व (2) वस्त्र
(3) दास (4) वास्तु
(5) अनुत्तरित प्रश्न

68. This statement is not correct –
(1) Quality of knowing is obscured by Jñānāvarana karma.
(2) Through subsidence-cum-destruction of matijñānāvarana matijñānā or mati-ajñānā mainfests.
(3) There are five types of Jñānāvarana karma.
(4) Jñānāvarana and Ajñānā are the same.
(5) Question not attempted

68. यह कथन सही नहीं है –
(1) ज्ञानावरण कर्म के कारण जानने का गुण ढक जाता है।
(2) मतिज्ञानावरण के क्षयोपशम से मतिज्ञान अथवा मति अज्ञान प्रकट होता है।
(3) ज्ञानावरण कर्म के पाँच प्रकार हैं।
(4) ज्ञानावरण एवं अज्ञान दोनों एक ही हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

69. Basically the number of Sparsh in Jain Philosophy is -
(1) Six (2) Eight
(3) Five (4) Seven
(5) Question not attempted

69. जैनदर्शन में मूलतः स्पर्शों की संख्या है –
(1) छह (2) आठ
(3) पाँच (4) सात
(5) अनुत्तरित प्रश्न

70. The number of pradeśas of kāladravya is -
(1) Countable (2) One
(3) Uncountable (4) Many
(5) Question not attempted

70. कालद्रव्य के प्रदेशों की संख्या है –
(1) संख्यात (2) एक
(3) असंख्यात (4) अनेक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

71. In how much 'Samayas' process of Kevali Samudghātas gets complete?
(1) Five Samaya (2) Seven Samaya
(3) Six Samaya (4) Eight Samaya
(5) Question not attempted

71. केवली समुद्घात की प्रक्रिया कितने 'समय' में पूर्ण होती है?
(1) पांच समय (2) सात समय
(3) छह समय (4) आठ समय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

72. The quality of Jiva -
(1) Form(Sansthan) (2) Sunlight, Moonlight
(3) Word (4) Knowledge
(5) Question not attempted

72. जीव का गुण है –
(1) संस्थान (2) आतप, उद्योत
(3) शब्द (4) ज्ञान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

73. How many karmās have been destroyed by Siddha Paramatma?
(1) Two (2) Four
(3) Eight (4) Six
(5) Question not attempted

73. सिद्ध परमात्मा कितने कर्मों को नष्ट कर चुके हैं?
(1) दो (2) चार
(3) आठ (4) छह
(5) अनुत्तरित प्रश्न

74. This pair is not correct –
(1) Attachment-aversion - Bhava karma
(2) Jñānāvarana karma - Dravya karma
(3) Karmana body - Kriti karma
(4) Audarika body - No-karma
(5) Question not attempted

74. यह युगल सही नहीं है –
(1) राग–द्वेष – भाव कर्म
(2) ज्ञानावरण कर्म – द्रव्य कर्म
(3) कार्मण शरीर – कृति कर्म
(4) औदारिक शरीर – नोकर्म
(5) अनुत्तरित प्रश्न

75. Match list-I with list-II and select the correct answer by using the code given below in the lists –

List-I	List-II
A. four	(I) guṇasthāna
B. five	(II) leśyā
C. fourteen	(III) indriyaṅ
D. six	(IV) vikathā

Code -

(1) A-II, B-I, C-IV, D-III
(2) A-III, B-II, C-I, D-IV
(3) A-IV, B-III, C-I, D-II
(4) A-I, B-IV, C-II, D-III
(5) Question not attempted

76. What is the characteristics of dravya?
(1) adharma (2) asat
(3) sat (4) dharma
(5) Question not attempted

77. In which karma Nidra-Nidra is included?
(1) Vedanīya karma (2) Mohaniya karma
(3) darshanavarana karma (4) Jñānāvarana karma
(5) Question not attempted

78. This group is not included in the types of Kashaya Mohaniya Karma -
(1) Sanjvlana Krodh, Maan, Maaya and Lobha
(2) Anantanubandhi hāsya, Rati, Arati and Bhaya
(3) Apratyakhyanavarana Krodh, Maan, Maaya and Lobha
(4) Anantanubandhi krodh, Maan, Maaya and Lobha
(5) Question not attempted

79. Example of Badar-Sukshma (Gross-subtle) pudgala are -
(1) Water, milk, oil (2) Light, shadow, heat
(3) Smell, taste, sound (4) Mountain, rocks, wood
(5) Question not attempted

80. Which statement is not correct about a Jiva?
(1) Characteristics of Jiva is Upayoga
(2) Jiva is murtika(material) by nature
(3) Jiva is limited up to its body
(4) Jiva (living) is enjoyer of its own acts
(5) Question not attempted

75. सूची–I को सूची–II से सुमेलित करें तथा सूचियों में नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें –

सूची–I	सूची–II
A. चार	(I) गुणस्थान
B. पांच	(II) लेश्या
C. चौदह	(III) इन्द्रियां
D. छह	(IV) विकथा

कोड –

(1) A-II, B-I, C-IV, D-III
(2) A-III, B-II, C-I, D-IV
(3) A-IV, B-III, C-I, D-II
(4) A-I, B-IV, C-II, D-III
(5) अनुत्तरित प्रश्न

76. द्रव्य का लक्षण क्या है?
(1) अधर्म (2) असत्
(3) सत् (4) धर्म
(5) अनुत्तरित प्रश्न

77. निद्रा–निद्रा का समावेश किस कर्म के अन्तर्गत होता है?
(1) वेदनीय कर्म (2) मोहनीय कर्म
(3) दर्शनावरण कर्म (4) ज्ञानावरण कर्म
(5) अनुत्तरित प्रश्न

78. कषाय मोहनीय कर्म की प्रकृतियों में यह समूह सम्मिलित नहीं है –
(1) संज्वलन क्रोध, मान, माया एवं लोभ
(2) अनन्तानुबन्धी हास्य, रति, अरति एवं भय
(3) अप्रत्याख्यानावरण क्रोध, मान, माया एवं लोभ
(4) अनन्तानुबन्धी क्रोध, मान, माया एवं लोभ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

79. बादर–सूक्ष्म पुद्गल के उदाहरण हैं –
(1) जल, दूध, तेल (2) प्रकाश, छाया, आतप
(3) गन्ध, रस, शब्द (4) पर्वत, चट्टान, लकड़ी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

80. जीव के संबंध में कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) जीव का लक्षण उपयोग है
(2) जीव स्वभाव से मूर्तिक होता है
(3) जीव स्वदेह परिमाण होता है
(4) जीव अपने कर्मों का भोक्ता होता है
(5) अनुत्तरित प्रश्न

81. Read the following names and choose the correct option related to the nāmakarma –

(A) gati

(B) lobha

(C) varṇa

(D) śīta (coldness)

(E) bhaya

Code -

(1) B, D and E only (2) A, B and C only

(3) C, D and E only (4) A, C and D only

(5) Question not attempted

82. Match List-I with List-II and select the correct answer by using the code given below the lists -

List-I	List-II
A. jīva	(i) mūrtika
B. kāla	(ii) thaharanā (stithi)
C. pudgala	(iii) vartnā
D. adharma	(iv) chetanā

Code -

(1) A-IV, B-III, C-I, D-II

(2) A-II, B-I, C-IV, D-III

(3) A-I, B-III, C-IV, D-II

(4) A-III, B-I, C-II, D-IV

(5) Question not attempted

83. These two Dhyanas are means of emancipation -

(1) Dharma Dhyana and Shukla Dhyana

(2) Aarta Dhyana and Dharma Dhyana

(3) Aarta Dhyana and Shukla Dhyana

(4) Aarta and Raudra Dhyana

(5) Question not attempted

84. Which group of Philosopher Acharyas is correct for contribution in establishment and perfection of Anekanta?

(1) Kundakunda, Samantbhadra, Amritchandra, Vishnumitra

(2) Siddhasen, Samantbhadra, Haribhadra, Hemchandra

(3) Kundakunda, Samantbhadra, Akalanka, Yashobhadra

(4) Siddhasen, Samantbhadra, Vidyanand, Sthulabhadra

(5) Question not attempted

81. निम्नलिखित नामों को पढ़ें और नामकर्म से सम्बन्धित सही विकल्प चुनें –

(A) गति

(B) लोभ

(C) वर्ण

(D) शीत (ठंडा)

(E) भय

कोड –

(1) केवल B, D और E (2) केवल A, B और C

(3) केवल C, D और E (4) केवल A, C और D

(5) अनुत्तरित प्रश्न

82. सूची–I को सूची–II से सुमेलित करें और विकल्पों में नीचे दिये गये कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें–

सूची–I	सूची–II
A. जीव	(i) मूर्तिक
B. काल	(ii) ठहरना (स्थिति)
C. पुद्गल	(iii) वर्तना
D. अधर्म	(iv) चेतना

कोड –

(1) A-IV, B-III, C-I, D-II

(2) A-II, B-I, C-IV, D-III

(3) A-I, B-III, C-IV, D-II

(4) A-III, B-I, C-II, D-IV

(5) अनुत्तरित प्रश्न

83. मोक्ष के हेतु ये दो ध्यान हैं –

(1) धर्म ध्यान एवं शुक्ल ध्यान

(2) आर्त ध्यान एवं धर्म ध्यान

(3) आर्त ध्यान एवं शुक्ल ध्यान

(4) आर्त एवं रौद्र ध्यान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

84. अनेकान्त की स्थापना एवं सिद्धि में योगदान करने वाले दार्शनिक आचार्यों का कौनसा समूह सही है?

(1) कुन्दकुन्द, समन्तभद्र, अमृतचन्द्र, विष्णुमित्र

(2) सिद्धसेन, समन्तभद्र, हरिभद्र, हेमचन्द्र

(3) कुन्दकुन्द, समन्तभद्र, अकलङ्क, यशोभद्र

(4) सिद्धसेन, समन्तभद्र, विद्यानन्द, स्थूलभद्र

(5) अनुत्तरित प्रश्न

85. After obtaining Samyaktva, a living being of first Mithyatva Guṇasthāna goes first into this Guṇasthāna -
(1) Avirat Samyagdrishti Guṇasthāna
(2) Sāsādana Samyaktva Guṇasthāna
(3) Mishra Guṇasthāna
(4) Deshavirat Shravaka Guṇasthāna
(5) Question not attempted

86. Choose the right option pair -
(1) Indriya-pratyaksha–non-empirical perception
(2) Keval Jñāna – complete transcendental knowledge
(3) Avadhijñāna – sixfold bhavpratyaya knowledge
(4) Matijñāna-knowledge of non-material modes of mind
(5) Question not attempted

87. Which statement about Anekānta and Syādavāda is not correct?
(1) Syādavāda is a principle which always denies absolutism and accepts non-absolutism.
(2) Anekantavāda is an indicator of various properties in a real and syādavāda is a linguistic method to express them.
(3) Infinite dharmas living in a vastu can be expressed by syādavāda only.
(4) Anekanta is vachaka and syādavāda its vachya.
(5) Question not attempted

88. Which of the following statement is not correct?
(1) after the karmas tie, they become uniform with units of ātmapradeṡa.
(2) saṡarīrī jīva ties the karma to itself.
(3) jīva suffers due to the sātā vedanīya karma.
(4) ṡubha and aṡubha are the types of nāmakarma.
(5) Question not attempted

89. Which of the following option is not related to avadhijñānā?
(1) anusārī - ananusārī
(2) pratipātī - apratipātī
(3) anugāmī - ananugāmī
(4) vardhamāna – hīyamāna
(5) Question not attempted

85. प्रथम मिथ्यात्व गुणस्थान वाला जीव सम्यक्त्व होने पर पहले इस गुणस्थान में जाता है –
(1) अविरत सम्यग्दृष्टि गुणस्थान
(2) सासादन सम्यक्त्व गुणस्थान
(3) मिश्र गुणस्थान
(4) देशविरत श्रावक गुणस्थान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

86. सही विकल्प युगल को चुनिए –
(1) इन्द्रिय प्रत्यक्ष–असांव्यवहारिक प्रत्यक्ष
(2) केवलज्ञान–सकल पारमार्थिक प्रत्यक्ष
(3) अवधिज्ञान–षड्विध भवप्रत्ययज्ञान
(4) मतिज्ञान–अमूर्त मन की पर्यायों का ज्ञान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

87. अनेकान्त एवं स्याद्वाद के सम्बन्ध में कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) स्याद्वाद वह सिद्धांत है, जो सदा एकान्त को अस्वीकार कर अनेकान्त को ग्रहण करता है।
(2) अनेकान्तवाद वस्तु में अवस्थित विभिन्न धर्मों का सूचक है और स्याद्वाद उनको अभिव्यक्त करने की भाषायी पद्धति है।
(3) वस्तुओं में स्थित अनन्त धर्म स्याद्वाद के माध्यम से ही मुखरित होते हैं।
(4) अनेकान्त वाचक है और स्याद्वाद उनका वाच्य है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

88. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) कर्म बंधने के बाद आत्मप्रदेशों के साथ एकीभूत हो जाते हैं।
(2) सशरीरी जीव कर्म को अपने से बांधता है।
(3) साता वेदनीय कर्म के कारण जीव को कष्ट भोगना पड़ता है।
(4) शुभ और अशुभ नामकर्म के प्रकार हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

89. निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प अवधिज्ञान से सम्बन्धित नहीं है?
(1) अनुसारी – अननुसारी
(2) प्रतिपाती – अप्रतिपाती
(3) अनुगामी – अननुगामी
(4) वर्धमान – हीयमान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

90. siddhātmā is-
(1) with aghātikarma (2) aśarīra
(3) with ghātikarma (4) saśarīra
(5) Question not attempted

91. Which of the following is related to 'Mishra-Guṇasthāna'?
(1) Avirata Mithyadrishti
(2) Sasādana
(3) Mithyādrishti
(4) Samyak-Mithyadrishti
(5) Question not attempted

92. What does the kevalī bhagawāna know and see in view of niścayanaya?
(1) Nija ātmā (2) pudgala
(3) dravya (4) tattva
(5) Question not attempted

93. What is the reason of wrong belief of jīva?
(1) samyaktva (2) antarāya
(3) matijñānā (4) mithyātva
(5) Question not attempted

94. How many types of dravya are there?
(1) Five (2) Seven
(3) Six (4) Four
(5) Question not attempted

95. Characteristics of jiva which occurs in two types of worldly and emancipated Jeevas is –
(1) One who experiences growth after birth and also experiences adolescence and old age is jiva.
(2) One who lives with cohesion of prānas is jiva.
(3) One who takes food, sleeps and breathe is jiva.
(4) One who has a characteristic of consciousness is jiva.
(5) Question not attempted

96. Who can obtain samyagdarśana?
(1) ākāśa (2) dharma
(3) pudgala (4) jīva
(5) Question not attempted

90. सिद्धात्मा है–
(1) अघातिकर्म सहित (2) अशरीर
(3) घातिकर्म सहित (4) सशरीर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

91. निम्नलिखित में से कौन 'मिश्र गुणस्थान' से संबंधित है?
(1) अविरत मिथ्यादृष्टि
(2) सासादन
(3) मिथ्यादृष्टि
(4) सम्यक्–मिथ्यादृष्टि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

92. निश्चयनय से केवली भगवान क्या जानते और देखते हैं?
(1) निज आत्मा (2) पुद्गल
(3) द्रव्य (4) तत्त्व
(5) अनुत्तरित प्रश्न

93. जीव के विपरीत श्रद्धान का क्या कारण है?
(1) सम्यक्त्व (2) अन्तराय
(3) मतिज्ञान (4) मिथ्यात्व
(5) अनुत्तरित प्रश्न

94. द्रव्य के कितने प्रकार हैं?
(1) पाँच (2) सात
(3) छह (4) चार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

95. संसारी एवं सिद्ध दोंनो प्रकार के जीवों में जो लक्षण घटित होता है, वह है –
(1) जो जन्म के पश्चात् वृद्धि को प्राप्त होता है तथा यौवन एवं वृद्धावस्था का अनुभव करता है, वह जीव है।
(2) जो प्राणों के संयोग से जीता है, वह जीव है।
(3) जो आहार करता है, निद्रा लेता है, श्वासोच्छवास लेता है, वह जीव है।
(4) जो चेतना लक्षण वाला है, वह जीव है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

96. सम्यग्दर्शन किसे हो सकता है?
(1) आकाश (2) धर्म
(3) पुद्गल (4) जीव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

97. This statement is not correct -

(1) Nishchaya naya focuses self and vyavahara naya focuses other than soul or self.

(2) Sangraha Naya is included in Śābda Naya.

(3) Naigam Naya explains vastu in the context of past and future.

(4) Nishchaya naya focuses on indifference and vyavahara naya focuses on difference.

(5) Question not attempted

98. This is not included in the causes of bondage of sāta vedanīya karma -

(1) Minimalism of violence (Alparambh)

(2) Giving

(3) Forgiveness or tolerance

(4) Compassion on all living beings

(5) Question not attempted

99. Fifth predication of sevenfold predication from the following is -

(1) Syadasti cha nasti cha

(2) Syadasti cha Avaktavyam cha

(3) Syannasti cha Avaktavyam cha

(4) Syad Avaktavyam

(5) Question not attempted

100. Which option does not match with the meaning of anekānta?

(1) Karyakarnātmaka tattva

(2) ekānekātmaka tattva

(3) nityānityātmaka tattva

(4) sadasadātmaka tattva

(5) Question not attempted

101. Which statement of the following is correct?

(1) Dharmāstikāya exists in a part of Lokākāsh.

(2) Ākāshāstikāya exists in the whole Lokākāsh only.

(3) Adhārmāstikāya exists in the whole Loka.

(4) Pudgala can exist in Alokakash.

(5) Question not attempted

97. यह कथन सही नहीं है –

(1) निश्चय नय आत्माश्रित है तथा व्यवहार नय पराश्रित है।

(2) संग्रह नय शब्द नय में परिगणित है।

(3) नैगम नय भूत भविष्य की अपेक्षा कथन करता है।

(4) निश्चय नय अभेद को विषय करता है तथा व्यवहार नय भेद को विषय करता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

98. साता वेदनीय कर्म के बन्धहेतुओं में यह नहीं है –

(1) अल्पारम्भ

(2) दान

(3) क्षान्ति

(4) भूतानुकम्पा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

99. निम्नांकित में से सप्तभंगी का पंचम भंग है –

(1) स्यादस्ति च नास्ति च

(2) स्यादस्ति च अवक्तव्यम् च

(3) स्यान्नास्ति च अवक्तव्यम् च

(4) स्याद् अवक्तव्यम्

(5) अनुत्तरित प्रश्न

100. निम्न विकल्पों में से कौनसा विकल्प अनेकान्त का समर्थक नहीं है?

(1) कार्यकारणात्मक तत्त्व

(2) एकानेकात्मक तत्त्व

(3) नित्यानित्यात्मक तत्त्व

(4) सदसदात्मक तत्त्व

(5) अनुत्तरित प्रश्न

101. निम्नांकित में से कौनसा कथन सही है?

(1) धर्मास्तिकाय लोकाकाश के एक अंश में रहता है।

(2) आकाशास्तिकाय सम्पूर्ण लोकाकाश में ही रहता है।

(3) अधर्मास्तिकाय सम्पूर्ण लोक में रहता है।

(4) पुद्गल अलोकाकाश में रह सकता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

102. Read the following statements-

(i) Gunas co-exist with Dravya and their Prayayas (modes) appear in order.

(ii) Paryayas (modes) are of Gunas also.

(iii) Gunas and Paryayas never exist together.

(iv) It is not necessary for Guna to be in Dravya but Parayaya manifest always.

Choose the correct option from above -

(1) only (ii) (2) only (iii)
(3) only (i) (4) only (iv)
(5) Question not attempted

103. Which statement is not correct about Asrava (influx of karma)?

(1) Activity of mind, speech and body is yoga and that is Asrava.
(2) Influx of Punya is shubha and influx of sins is ashubha.
(3) Asrava is of two types – Dravyāsrava and Bhavasrava.
(4) Dravyasrava occurs first and then Bhavasrava.
(5) Question not attempted

104. Match List-I with List-II and select the correct answer by using the code given below in the lists –

List-I

(A) viśadaṁ pratyakṣam
(B) spaṣṭaṁ pratyakṣam
(C) viśadaḥ pratyakṣam
(D) sākāramañjasā pratyakṣalakṣaṇam

List-II

(I) vādidevasūri
(II) akalaṅka
(III) māṇikyanandī
(IV) hemachandra

Code -

(1) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(II), D-(IV)
(2) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), D-(IV)
(3) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(IV), D-(II)
(4) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(I), D-(III)
(5) Question not attempted

102. निम्न कथनों को पढ़िये–

(i) गुण द्रव्य के सहभागी होते हैं तथा पर्यायें क्रमभावी होती हैं।

(ii) गुणों की भी पर्याय होती हैं।

(iii) गुण एवं पर्याय दोनो कभी साथ नहीं रहते।

(iv) द्रव्य में गुण का रहना आवश्यक नहीं है किन्तु पर्याय सदैव रहती है।

उपर्युक्त में से सही विकल्प चुनिये –

(1) केवल (ii) (2) केवल (iii)
(3) केवल (i) (4) केवल (iv)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

103. आस्रव (कर्मों का प्रवाह) के सम्बन्ध में कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) मन, वचन एवं काया की प्रवृत्ति को योग कहा गया है तथा वही आस्रव है।
(2) पुण्य का आस्रव शुभ तथा पाप का आस्रव अशुभ होता है।
(3) आस्रव द्रव्यास्रव एवं भावास्रव के भेद से दो प्रकार का है।
(4) पहले द्रव्यास्रव होता है एवं फिर भावास्रव।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

104. सूची–I को सूची–II से सुमेलित करें और सूचियों में नीचे दिये गये कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें –

सूची–I

(A) विशदं प्रत्यक्षम्
(B) स्पष्टं प्रत्यक्षम्
(C) विशदः प्रत्यक्षम्
(D) साकारमञ्जसा प्रत्यक्षलक्षणम्

सूची–II

(I) वादिदेव सूरि
(II) अकलङ्क
(III) माणिक्यनन्दी
(IV) हेमचन्द्र

कोड –

(1) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(II), D-(IV)
(2) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), D-(IV)
(3) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(IV), D-(II)
(4) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(I), D-(III)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

105. Types of perception (Pratyaksha) pramaṇa, according to Tattvarthasūtra are -

(1) Svartha and Parartha

(2) Avadhijñānā, Manaḥparyayajñānā and kevaljñānā

(3) Saṁvyaharika Pratyaksha and Parmarthika Pratyaksha

(4) Samvyavaharika Pratyaksha and Mukhya Pratyaksha

(5) Question not attempted

105. तत्त्वार्थसूत्र के अनुसार, प्रत्यक्ष प्रमाण के भेद हैं –

(1) स्वार्थ एवं परार्थ

(2) अवधिज्ञान, मनःपर्यायज्ञान एवं केवल ज्ञान

(3) सांव्यवहारिक प्रत्यक्ष एवं पारमार्थिक प्रत्यक्ष

(4) सांव्यवहारिक प्रत्यक्ष एवं मुख्य प्रत्यक्ष

(5) अनुत्तरित प्रश्न

106. Which philosophy describes the concept of sat consisting of utpāda, vyaya and dhrauvya?

(1) bauddha (2) vedānta

(3) jain (4) saṅkhya

(5) Question not attempted

106. किस दर्शन में उत्पाद व्यय और ध्रौव्य से युक्त सत् की अवधारणा है?

(1) बौद्ध (2) वेदान्त

(3) जैन (4) सांख्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

107. 'Aṇuvrata' is related to this Guṇasthāna –

(1) Seventh (2) Sixth

(3) Fifth (4) Fourth

(5) Question not attempted

107. 'अणुव्रत' का संबंध इस गुणस्थान से है –

(1) सप्तम (2) षष्ठ

(3) पञ्चम (4) चतुर्थ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

108. Two Arguments are given in the following to accept Smriti (recollection) as pramaṇa in Jaina philosophy are -

(i) It is indiscrepant in behaviour.

(ii) Inference (Anuman pramaṇa) is not possible without recollection of universal concomitance.

(iii) Recollection is also a lucid knowledge as perception.

(iv) Smriti-literature is also considered as pramaṇa (valid organ of knowledge)

Right options among the one given above are -

(1) (ii) and (iv) (2) (i) and (iv)

(3) (i) and (ii) (4) (i) and (iii)

(5) Question not attempted

108. जैन दर्शन में स्मृति को प्रमाण मानने में निम्नांकित में से दो तर्क दिए गए हैं –

(i) यह अर्थक्रिया में अविसंवादक है।

(ii) व्याप्ति की स्मृति के बिना अनुमान प्रमाण का होना सम्भव नहीं है।

(iii) स्मृति भी प्रत्यक्ष की भांति स्पष्ट ज्ञानरूप है।

(iv) स्मृति–साहित्य को भी प्रमाण माना जाता है।

उपर्युक्त में से सही विकल्प हैं –

(1) (ii) एवं (iv) (2) (i) एवं (iv)

(3) (i) एवं (ii) (4) (i) एवं (iii)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

109. Read the following statements –

(i) Consciousness in body is experienced due to soul.

(ii) Growth, digestion etc. occur in body without a soul.

(iii) Body is produced without Ajeeva Pudgalas.

(iv) A soul is different from a body.

Which of the given option is true?

(1) (iii) and (i)
(2) (i) and (iv)
(3) (i) and (iii)
(4) (iv) and (ii)
(5) Question not attempted

110. samkhyāta pradeshi dravya is-

(1) jīvāstikāya
(2) pudgala dravya
(3) adharmāstikāya
(4) dharmāstikāya
(5) Question not attempted

111. Which leśyā does exist in nārakis?

(1) kṛṣṇa
(2) śukla
(3) padma
(4) pīta
(5) Question not attempted

112. Which statement is not correct regarding saptabhaṅgi?

(1) It is of two types - Pramaṇa saptabhaṅgi and Naya saptabhaṅgi.
(2) Acceptance of affirmation and negation without any contradiction in one real (vastu) is saptabhaṅgi.
(3) Saptabhaṅgi is an accumulative word for seven predications.
(4) Original predications of saptabhaṅgi are only syadasti and syannasti.
(5) Question not attempted

113. What is the result of ajñānā and rāga of the soul?

(1) dravya karma
(2) vedanīya karma
(3) no-karma
(4) bhāva karma
(5) Question not attempted

109. निम्न कथनों को पढ़िए –

(i) शरीर में चेतना का अनुभव आत्मा के कारण होता है।

(ii) शरीर में वृद्धि, पाचन आदि कार्य बिना आत्मा के होते हैं।

(iii) शरीर का निर्माण अजीव पुद्गलों से नहीं होता है।

(iv) शरीर से आत्मा भिन्न है।

उपर्युक्त में से कौनसा विकल्प सत्य है?

(1) (iii) और (i)
(2) (i) और (iv)
(3) (i) और (iii)
(4) (iv) और (ii)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

110. संख्यात प्रदेशी द्रव्य है –

(1) जीवास्तिकाय
(2) पुद्गल द्रव्य
(3) अधर्मास्तिकाय
(4) धर्मास्तिकाय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

111. नारकियों में कौनसी लेश्या होती है?

(1) कृष्ण
(2) शुक्ल
(3) पद्म
(4) पीत
(5) अनुत्तरित प्रश्न

112. सप्तभंगी के सम्बन्ध में कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) यह प्रमाण सप्तभंगी एवं नयसप्तभंगी के भेद से दो प्रकार की है।
(2) एक वस्तु में अविरोधपूर्वक विधि और प्रतिषेध की कल्पना (स्वीकृति) सप्तभंगी है।
(3) सात भंगों के समाहार को सप्तभंगी कहते हैं।
(4) सप्तभंगी के मूलवाक्य स्यादस्ति एवं स्यान्नस्ति ही हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

113. आत्मा के अज्ञान और राग का फल है –

(1) द्रव्य कर्म
(2) वेदनीय कर्म
(3) नो–कर्म
(4) भाव कर्म
(5) अनुत्तरित प्रश्न

114. What is the similarity between Avadhijñāna and manaḥparyaya Jñānā?

(1) Both are equally pure knowledge.

(2) Both of these knowledges are manifested directly through soul (self).

(3) Only human beings can have Avadhijñāna and manaḥparyaya Jñānā.

(4) Both of these have equal power to know Pudagals.

(5) Question not attempted

114. अवधिज्ञान एवं मनःपर्यायज्ञान में क्या समानता है?

(1) दोनों समान रूप से विशुद्ध ज्ञान हैं।

(2) ये दोनों ज्ञान सीधे आत्मा से होते हैं।

(3) अवधिज्ञान एवं मनःपर्याय ज्ञान मनुष्यों को ही होते हैं।

(4) दोनों में पुद्गलों को जानने की समान शक्ति है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

115. Which substance helps the jiva and pudgala to move?

(1) adharmastikāyā (2) dharmastik āya

(3) jīvastikāyā (4) kāla

(5) Question not attempted

115. जीव और पुद्गल की गति में सहायक द्रव्य है –

(1) अधर्मास्तिकाय (2) धर्मास्तिकाय

(3) जीवास्तिकाय (4) काल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

116. According to Haribhadra, how many visions (drŝhtis) of yoga are there?

(1) Seven (2) Nine

(3) Eight (4) Ten

(5) Question not attempted

116. हरिभद्र के अनुसार, योग की कितनी दृष्टियां हैं?

(1) सात (2) नौ

(3) आठ (4) दस

(5) अनुत्तरित प्रश्न

117. Read the following statements regarding Manaḥparyaya knowledge –

(i) It is twofold as Rijumati and Vipulmati.

(ii) Vipulmati is more pure than Rijumati.

(iii) Vipulmati can fall, whereas Rijumati is infallable.

(iv) All sadhus can bear manaḥparyaya knowledge.

The correct option is -

(1) (i) and (iii) (2) (ii) and (iii)

(3) (i) and (ii) (4) (iii) and (iv)

(5) Question not attempted

117. मनःपर्याय ज्ञान के सम्बन्ध में निम्न कथन पढ़िये –

(i) यह ऋजुमति और विपुलमति के भेद से दो प्रकार का है।

(ii) ऋजुमति की अपेक्षा विपुलमति ज्ञान अधिक विशुद्ध होता है।

(iii) विपुलमति का पतन हो सकता है जबकि ऋजुमति अप्रतिपाती है।

(iv) मनःपर्याय ज्ञान सभी साधुओं को हो सकता है।

सही विकल्प है –

(1) (i) एवं (iii) (2) (ii) एवं (iii)

(3) (i) एवं (ii) (4) (iii) एवं (iv)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

118. According to Jain logic, Sāmvyavhārik Pratyaksha is -

(1) Avadhijñānā

(2) Matijñānā

(3) Āgamajñānā

(4) Manaḥparyayjñānā

(5) Question not attempted

118. जैन न्याय के अनुसार, सांव्यवहारिक प्रत्यक्ष है –

(1) अवधिज्ञान

(2) मतिज्ञान

(3) आगम ज्ञान

(4) मनःपर्ययज्ञान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

119. Which of the following karmas does lead to the experience of sukha and dukha?

(1) nāma (2) āyu
(3) mohanīya (4) vedanīya
(5) Question not attempted

120. Another name for atisthūla skandha is-

(1) sūkṣama (2) bādara
(3) bādara-bādara (4) atisūkṣma
(5) Question not attempted

121. 'Nishchayanaya' is -

(1) describing actual facts
(2) stating the saṅyoga
(3) knowing the Abheda
(4) explaining the Bheda
(5) Question not attempted

122. According to which 'Naya', 'Gau' exists only when 'Gau' is moving?

(1) Rijusutra Naya (2) Samabhiroodh Naya
(3) EvambhutaNaya (4) Naigama Naya
(5) Question not attempted

123. The number of elements in Jain philosophy are –

(1) Six (2) Eight
(3) Seven (4) Five
(5) Question not attempted

124. Read carefully the following -

(i) Dharmastikaya and Adharmastikaya are Amurta dravyas.
(ii) Pudgala is murta dravya, because of having the quality of colour etc.
(iii) Including Time Amurta dravyas are four.
(iv) In total non-living substances are four.

Choose the correct statement from the options given above -

(1) (i) and (ii) (2) (i) and (iii)
(3) (ii) and (iii) (4) (ii) and (iv)
(5) Question not attempted

119. निम्नलिखित में से कौनसा कर्म सुख और दुख का अनुभव कराता है?

(1) नाम (2) आयु
(3) मोहनीय (4) वेदनीय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

120. अतिस्थूल स्कंध का अन्य नाम है –

(1) सूक्ष्म (2) बादर
(3) बादर–बादर (4) अतिसूक्ष्म
(5) अनुत्तरित प्रश्न

121. निश्चय नय होता है –

(1) यथार्थ प्ररूपण करने वाला
(2) संयोग का कथन करने वाला
(3) अभेद को विषय करने वाला
(4) भेद को बताने वाला
(5) अनुत्तरित प्रश्न

122. जिस समय 'गौ' चलती है उसी समय 'गौ' है – यह किस 'नय' का कथन है?

(1) ऋजुसूत्र नय (2) समभिरूढ़ नय
(3) एवंभूत नय (4) नैगम नय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

123. जैन दर्शन में तत्त्वों की संख्या है –

(1) छह (2) आठ
(3) सात (4) पाँच
(5) अनुत्तरित प्रश्न

124. निम्नांकित को ध्यान से पढ़ें –

(i) धर्मास्तिकाय एवं अधर्मास्तिकाय अमूर्त द्रव्य हैं।
(ii) पुद्‌गल मूर्त द्रव्य है, क्योंकि वह रूपादि गुण वाला है।
(iii) काल सहित अमूर्त द्रव्य चार हैं।
(iv) कुल चार द्रव्य अजीव हैं।

उपर्युक्त विकल्पों में से सही कथन चुनिये –

(1) (i) एवं (ii) (2) (i) एवं (iii)
(3) (ii) एवं (iii) (4) (ii) एवं (iv)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

125. Choose the correct statement from the following-

(1) puṇya-pāpa are dharmas.

(2) krodha and similar vikārī bhāva are the characteristics of jīva.

(3) jīva is mūrtika and acetana.

(4) contrary belief in elements is non-acquired falsehood.

(5) Question not attempted

126. Match List-I with List-II and select the correct answer by using the code given below in the lists –

List-I

(A) udyogī hiṅsā

(B) saṅkalpī hiṅsā

(C) virodhī hiṅsā

(D) dravya hiṅsā

List-II

(I) slaughter with planning

(II) violence in defence of life

(III) fatality

(IV) agriobusiness violence

Code -

(1) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), D-(IV)

(2) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), D-(II)

(3) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), D-(I)

(4) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), D-(III)

(5) Question not attempted

127. Read and arrange the following names in ascending order and choose the correct answer by using the code given below –

(A) mahātmā

(B) paramātmā

(C) bahirātmā

(D) antarātmā

Code –

(1) D, B and C only (2) C, D and B only

(3) A, B and C only (4) B, C and D only

(5) Question not attempted

125. निम्नलिखित में से सही कथन चुनें –

(1) पुण्य–पाप धर्म हैं।

(2) क्रोध और उसके समान विकारी भाव जीव के लक्षण हैं।

(3) जीव मूर्तिक और अचेतन है।

(4) तत्त्वों में विपरीत मान्यता अगृहीत मिथ्यात्व है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

126. सूची–I को सूची–II से सुमेलित करें और सूचियों में नीचे दिये गये कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें –

सूची–I

(A) उद्योगी हिंसा

(B) संकल्पी हिंसा

(C) विरोधी हिंसा

(D) द्रव्य हिंसा

सूची–II

(I) योजनाबद्ध रीति से वध

(II) जीवन रक्षा में होने वाली हिंसा

(III) प्राणघात

(IV) कृषि–व्यापारादि की हिंसा

कोड –

(1) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), D-(IV)

(2) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), D-(II)

(3) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), D-(I)

(4) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), D-(III)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

127. निम्नलिखित नामों को पढ़ें और आरोही क्रम में व्यवस्थित करें तथा दिए गए विकल्पों में से सही कोड चुनते हुए उत्तर दें –

(A) महात्मा

(B) परमात्मा

(C) बहिरात्मा

(D) अन्तरात्मा

कोड –

(1) केवल D, B और C (2) केवल C, D और B

(3) केवल A, B और C (4) केवल B, C और D

(5) अनुत्तरित प्रश्न

128. It is the main characteristic of Anekantavada of Jainism -

(1) It accepts substance as eternal.

(2) It accepts several properties of an existent (vastu).

(3) It accepts contrary properties together in an existent (vastu).

(4) It accepts several qualities and modes.

(5) Question not attempted

128. जैनदर्शन के अनेकान्तवाद की प्रमुख विशेषता है कि –

(1) इसमें द्रव्य को ध्रुव माना गया है।

(2) इसमें वस्तु में अनेक धर्म स्वीकार किए गए हैं।

(3) इसमें वस्तु में परस्पर विरोधी धर्मों को भी साथ स्वीकार किया गया है।

(4) इसमें अनेक गुण एवं पर्याय माने गए हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

129. Among these, the paryāya of pudgala is -

(1) lokākāsh (2) samaya

(3) chāyā (4) manushya

(5) Question not attempted

129. इनमें पुद्गल की पर्याय है–

(1) लोकाकाश (2) समय

(3) छाया (4) मनुष्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

130. Which Jain philosopher's commentary is available on Patanjal yogasutra?

(1) Haribhadra Suri (2) Hemchandra

(3) Upadhyaya Yashovijay (4) Akalanka

(5) Question not attempted

130. पातञ्जल योगसूत्र पर किस जैन दार्शनिक की वृत्ति प्राप्त होती है?

(1) हरिभद्रसूरि (2) हेमचन्द्र

(3) उपाध्याय यशोविजय (4) अकलङ्क

(5) अनुत्तरित प्रश्न

131. How many types of piṇḍastha dhyāna are there?

(1) Eight (2) Seven

(3) Five (4) Ten

(5) Question not attempted

131. पिण्डस्थ ध्यान कितने प्रकार का होता है?

(1) आठ (2) सात

(3) पांच (4) दस

(5) अनुत्तरित प्रश्न

132. What is the first step of yoga sādhanā?

(1) dhāraṇā (2) ātmajñānā

(3) dharmadhyāna (4) śukladhyāna

(5) Question not attempted

132. योग साधना का प्रथम चरण क्या है?

(1) धारणा (2) आत्मज्ञान

(3) धर्म ध्यान (4) शुक्ल ध्यान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

133. Hurting any living being by pramāda is called -

(1) Kṣamā (2) Ahimsa

(3) Himsa (4) Viveka

(5) Question not attempted

133. प्रमाद से किसी भी जीव को कष्ट देना कहलाता है –

(1) क्षमा (2) अहिंसा

(3) हिंसा (4) विवेक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

134. How many basic-qualities of śrāvaka are there?

(1) Five (2) Three

(3) Eight (4) Seven

(5) Question not attempted

134. श्रावक के मूलगुण कितने होते हैं?

(1) पाँच (2) तीन

(3) आठ (4) सात

(5) अनुत्तरित प्रश्न

135. Read and arrange as described sequence the following names and choose the correct answer by using the code given below –

(A) mokṣa

(B) saṃvara

(C) āśrava

(D) bandha

Code –

(1) B, C, D, A (2) D, A, B, C

(3) A, B, C, D (4) C, D, B, A

(5) Question not attempted

135. निम्नलिखित नामों को पढ़ें और वर्णित क्रम में व्यवस्थित करें तथा दिए गए विकल्पों में से सही कोड चुनते हुए उत्तर दें –

(A) मोक्ष

(B) संवर

(C) आस्रव

(D) बन्ध

कोड –

(1) B, C, D, A (2) D, A, B, C

(3) A, B, C, D (4) C, D, B, A

(5) अनुत्तरित प्रश्न

136. This statement is correct -

(1) Sense-object contact is also pramaṇa.

(2) A sense organ through which knowledge occurs is also a pramaṇa.

(3) It is inclusive of doubt, illusion and in determination.

(4) It is a definitive right cognition of knowledge itself and other knowable things.

(5) Question not attempted

136. यह कथन सही है –

(1) सन्निकर्ष भी प्रमाण होता है।

(2) जिस इन्द्रिय से ज्ञान होता है वह इन्द्रिय भी प्रमाण होती है।

(3) प्रमाण संशय, विपर्यय एवं अनध्यवसाय से सहित होता है।

(4) प्रमाण स्व–पर निश्चायक सम्यग्ज्ञान होता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

137. Which substance helps Jivās to rest?

(1) adharma dravya (2) dharma dravya

(3) kāladravya (4) ākāśadravya

(5) Question not attempted

137. जीवों को ठहरने में सहायक द्रव्य है –

(1) अधर्मद्रव्य (2) धर्मद्रव्य

(3) कालद्रव्य (4) आकाश द्रव्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

138. Kshapakshreni Jeeva moves forward to which guṇasthāna after sookshmasampraya?

(1) Ksheena Moha (2) Upshānta Moha

(3) Sayoga Kevali (4) Ayoga Kevali

(5) Question not attempted

138. क्षपक श्रेणी वाला जीव सूक्ष्मसाम्प्राय के बाद आगे बढ़कर किस गुणस्थान में जाता है?

(1) क्षीण मोह (2) उपशान्त मोह

(3) सयोग केवली (4) अयोग केवली

(5) अनुत्तरित प्रश्न

139. Which two avayavas are accepted by Jaina Philosophers in pararthanumana (Inference for others)?

(1) Pratijñā (statement of the thesis) and hetu (Probans)

(2) Pratijñā (statement of the thesis) and Udaharaṇa (illustration)

(3) Upanaya and Nigamana

(4) Hetu (Propans) and Nigamana (conclusion)

(5) Question not attempted

139. परार्थानुमान में जैन दार्शनिक कौन से दो अवयव स्वीकार करते हैं?

(1) प्रतिज्ञा (पक्षवचन) एवं हेतु

(2) प्रतिज्ञा (पक्षवचन) एवं उदाहरण

(3) उपनयन एवं निगमन

(4) हेतु एवं निगमन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

140. Stopping the influx of karma is called –

(1) mokṣa (2) āśrava

(3) nirjarā (4) saṃvara

(5) Question not attempted

140. कर्मों का आस्रव रोकना कहलाता है –

(1) मोक्ष (2) आस्रव

(3) निर्जरा (4) संवर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

141. Which among the following options is not a type of dharmadhyāna?

(1) vipāka (2) ājnā
(3) anukampā (4) apāya
(5) Question not attempted

142. Choose the correct option from the following regarding Ajeevtatva –

(1) Motion is not found
(2) Knowledge is not found
(3) Power is not found
(4) It cannot become an instrument
(5) Question not attempted

143. Jñāna is -

(1) Only Aprakashak
(2) Only Parprakashaka
(3) Only Swaprakashaka
(4) Only Svaprakashak
(5) Question not attempted

144. Match List-I with List-II and select the correct answer by using the code given below in the lists –

List-I	List-II
(A) kundakunda	(I) samyak nirṇaya
(B) akalaṅka	(II) sva-para-avabhāsī
(C) samantabhadra	(III) samyagjñānā
(D) hemachandra	(IV) avisaṃvādī

Code -

(1) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), D-(II)
(2) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), D-(III)
(3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), D-(I)
(4) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(III), D-(II)
(5) Question not attempted

145. This text describes the saptabhaṅgi of syādvāda -

(1) pañcāstikāya (2) kārtikeyānuprekṣā
(3) mūlācāra (4) bhagavatī ārādhanā
(5) Question not attempted

141. निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प धर्मध्यान का प्रकार नहीं है?

(1) विपाक (2) आज्ञा
(3) अनुकम्पा (4) अपाय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

142. निम्नांकित में से अजीवतत्त्व के सम्बन्ध में सही कथन चुनें –

(1) गति नहीं होती
(2) ज्ञान नहीं होता
(3) शक्ति नहीं होती
(4) वह उपकरण नहीं बनता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

143. ज्ञान होता है –

(1) मात्र अप्रकाशक
(2) मात्र परप्रकाशक
(3) मात्र स्वप्रकाशक
(4) मात्र स्वपरप्रकाशक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

144. सूची–I को सूची–II से सुमेलित करें और विकल्पों में नीचे दिये गये कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें –

सूची–I	सूची–II
(A) कुन्दकुन्द	(I) सम्यक् निर्णय
(B) अकलङ्क	(II) स्व–पर–अवभासी
(C) समन्तभद्र	(III) सम्यग्ज्ञान
(D) हेमचन्द्र	(IV) अविसंवादी

कोड –

(1) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), D-(II)
(2) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), D-(III)
(3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), D-(I)
(4) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(III), D-(II)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

145. इस ग्रन्थ में स्याद्वाद के सात भंगों का उल्लेख हुआ है –

(1) पंचास्तिकाय (2) कार्तिकेयानुप्रेक्षा
(3) मूलाचार (4) भगवती आराधना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

146. The udaya of karmas is related to this bhāva –
(1) pāriṇāmika (2) audayika
(3) kṣāyika (4) aupaśamika
(5) Question not attempted

147. Choose the correct statement about kāladravya -
(1) with vartanā characteristic kāla is empirical time.
(2) on every point of space, innumberable-kalanusdravya are situated.
(3) kāla is 'Astikāya'.
(4) the smallest unit of kāla is samaya (time unit).
(5) Question not attempted

148. 'Jo Junjadi appānam ṇiyabhavo so have jogo' nijabhava, which unite with self it called yoga. This statement is in which Jain text?
(1) Niyamsāra (2) Tattvarthasūtra
(3) Gommatsāra (4) Mūlācāra
(5) Question not attempted

149. Nine kevalalabdhiyan appear in this Guṇasthāna -
(1) Tenth (2) Eleventh
(3) Thirteenth (4) Twelveth
(5) Question not attempted

150. Maximum period of 'Aāyu karma' is -
(1) Twenty (20) Kora Kori Sagar
(2) Thirty (30) Kora Kori Sagar
(3) Thirty three (33) Sagar
(4) Seventy (70) Kora Kori Sagar
(5) Question not attempted

146. कर्मों के उदय का सम्बन्ध इस भाव से है –
(1) पारिणामिक (2) औदयिक
(3) क्षायिक (4) औपशमिक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

147. कालद्रव्य के सम्बन्ध में सही कथन का चयन कीजिए–
(1) वर्तनालक्षण काल व्यवहार काल है।
(2) असंख्यात द्रव्य कालाणु लोक के एक–एक प्रदेश पर स्थित हैं।
(3) काल 'अस्तिकाय' है।
(4) काल की सबसे छोटी इकाई समय है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

148. 'जो जुंजदि अप्पाणं णियभावो सो हवे जोगो' – जो आत्मा से जोड़ता है वह निजभाव योग होता है। – यह कथन इस जैन ग्रंथ में है –
(1) नियमसार (2) तत्त्वार्थ सूत्र
(3) गोम्मठसार (4) मूलाचार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

149. नौ केवललब्धियां इस गुणस्थान में प्रकट होती हैं –
(1) दसवें (2) ग्यारहवें
(3) तेरहवें (4) बारहवें
(5) अनुत्तरित प्रश्न

150. 'आयु कर्म' की उत्कृष्ट स्थिति है –
(1) बीस (20) कोड़ा कोड़ी सागर
(2) तीस (30) कोड़ा कोड़ी सागर
(3) तैंतीस (33) सागर
(4) सत्तर (70) कोड़ा कोड़ी सागर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Space for Rough Work / रफ कार्य के लिए जगह